फा.सं.25-I(02)/2021-एएचडी/एआर

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

(एआर अनुभाग)

*****

कृषि भवन, नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2021

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के संबंध में अप्रैल, 2021 का मासिक सारांश।

अधोहस्ताक्षरी को पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा अप्रैल, 2021 माह में किए गए प्रमुख क्रियाकलापों, लिए गए निर्णयों तथा मंत्रिमंडल/मंत्रिमंडल समितियों द्वारा लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई की प्रगति से संबंधित मासिक सारांश सूचनार्थ इसके साथ परिचालित करने का निदेश हुआ है।

संलग्नक: यथोक्त

सर्वेस्वर माझी

(सर्वेस्वर माझी)
उप सचिव (जीसी/पीसी)
फोन: 23388534

सेवा में,

मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि:

1. प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव
2. राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।
3. उपराष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली ।
4. प्रेस सूचना अधिकारी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
5. सचिव, मत्स्यपालन विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।
6. सचिव, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।
7. सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।
8. सचिव, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।

9. सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली।
10. सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली।
11. सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, निर्माण भवन, नई दिल्ली।
12. सचिव, व्यय विभाग, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
13. सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।
14. सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, कृषि भवन, नई दिल्ली।
15. सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, सरदार पटेल भवन, नई दिल्ली।
16. सचिव, पंचायती राज मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली।
17. सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली।
18. सलाहकार, कृषि, नीति आयोग, नीति भवन, नई दिल्ली।
19. संयुक्त सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली।

प्रतिलिपि सूचनार्थ:

1) माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन तथा डेयरी मंत्री के निजी सचिव
2) सभी माननीय राज्य मंत्रियों के निजी सचिव (डीएएचडी)
3) एएस और एफए के प्रधान निजी सचिव
4) पशुपालन आयुक्त के प्रधान निजी सचिव
5) डीएएचडी के सभी संयुक्त सचिवों के प्रधान निजी सचिव
6) तकनीकी निदेशक, एनआईसी, डीएएचडी को संलग्न दस्तावेजों को विभागीय वेबसाइट में अपलोड करने के लिए।

फा.सं.25-।(02)/2021-एएचडी/एआर

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

****

अप्रैल, 2021 माह के दौरान लिये गये महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

1. **<u>गोपशु और डेयरी विकास:</u>**

सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से अनुरोध किया गया कि वे संबंधित राज्य दुग्ध परिसंघों या उनके संबद्ध दुग्ध संघों द्वारा अस्पतालों में ऑन-साइट ऑक्सीजन जनरेटर संयंत्र स्थापित करने में सहायता प्रदान करने की संभावनाओं का पता लगाएं। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को इसके लिए सभी तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए उपलब्ध कराया गया था।

2. **<u>पशुधन स्वास्थ्य:</u>**

i. केरल, हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, गुजरात, जम्मू और कश्मीर और उत्तर प्रदेश राज्य में कुक्कुट/बत्तखों में एवियन इंफ्लुएंजा (H5 और H5N8) के प्रकोप की पुष्टि हुई थी। हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, बिहार और पंजाब राज्य में भी कौवों/प्रवासी पक्षियों में एवियन इंफ्लुएंजा की पुष्टि हुई थी। इन राज्यों से एवियन इंफ्लुएंजा की रोकथाम, नियंत्रण और निवारण पर कार्य योजना के अनुसार उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। प्रभावित राज्यों के लिए पोस्ट ऑपरेशनल निगरानी योजना (पीओएसपी) दिशानिर्देश जारी किए गए। कार्य योजना के अनुसार स्वच्छता और पक्षियों के वध की प्रक्रिया जारी है।

ii. ये राज्य एवियन इंफ्लुएंजा की रोकथाम, नियंत्रण औए निवारण, 2021 के लिए संशोधित कार्य योजना के आधार पर उनके द्वारा अपनाए गए नियंत्रण उपायों के संबंध में विभाग को दैनिक आधार पर रिपोर्टिंग कर रहे हैं। विभाग ट्विटर, फेसबुक आदि जैसे मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से एवियन इंफ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

iii. उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड राज्य में ग्लैंडर्स की घटना की पुष्टि होने पर, विभाग ने राज्यों को ज़ू स्वच्छता उपायों को अपनाने, रोग को आगे फैलने से रोकने के लिए अश्वों के संक्रमित क्षेत्र से आने और जाने पर निगरानी रखने/प्रतिबंध लगाने के लिए सूचित किया है।

iv. गुजरात में लम्पी स्किन रोग (एलएसडी) वाइरस की पुनः घटना की पुष्टि होने पर, राज्यों को सलाह दी गई थी कि वे एक निश्चित समय सीमा में रोग के नियंत्रण और निवारण के लिए रिंग टीकाकरण सहित तत्काल जैव-सुरक्षा उपाय करें।

v. विभाग ने क्षेत्रीय मॉनिटरिंग और निगरानी दिशानिर्देश वॉल्यूम "फार्म स्तर पर एंटीमाइक्रोबायल उपयोग की मॉनिटरिंग" पर दूसरी परामर्शी बैठक में प्रतिनिधित्व किया था।

vi. विभाग ने दिनांक 25.04.2021 के अर्ध शासकीय पत्र द्वारा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को एनडीएमए दिशानिर्देशों के अनुरूप पशुचिकित्सा सेवाओं को अनिवार्य सेवाओं के रूप में शामिल करने की सलाह दी थी ताकि पशुचिकित्सा सेवायें सामान्य रूप से कार्य कर सकें।

vii. विभाग ने ओआईई द्वारा आयोजित "पशुचिकित्सा कार्यबल और वीपीपी पर क्षेत्रीय जागरूकता सृजन कार्यशाला" के लिए डीएएचडी और आईसीएआर-एनआईएचएसएडी और आरडीडीएल से अधिकारियों को नामित किया था, जिसका उद्देश्य पीवीएस (पशु चिकित्सा सेवाओं का निष्पादन) पाथवे, कार्यबल विकास के प्रति दृस्टिकोण, पशु चिकित्सा सेवाओं में वीपीपी (पशुचिकित्सा प्रैक्टिस भागीदार) की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।

viii. राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के तहत, अप्रैल, 2021 के महीने के दौरान, लगभग 0.30 करोड़ पशु ईयर-टैग किए गए और लगभग 0.05 करोड़ पशुओं का एफएमडी के विरुद्ध टीकाकरण किया गया।

3. <u>क्रेडिट, विस्तार और प्रचार (सीईपी):</u>

i. "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के भाग के रूप में, विभाग ने 07.04.2021 को "आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत पशुपालन अवसंरचना विकास निधि के माध्यम से पशुधन और डेयरी किसानों को आसान ऋण उपलब्धता" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में प्रख्यात पैनलिस्टों द्वारा व्याख्यान दिया गया और 300 से अधिक लोगों ने वेबिनार में भाग लिया। वेबिनार की लाइव स्ट्रीमिंग फेसबुक और ट्विटर पेजों के माध्यम से भी की गई थी।

ii. दोनों विभागों की विभिन्न गतिविधियों के अभिसरण के लिए ग्रामीण विकास विभाग के राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) प्रभाग के साथ दो बैठकें आयोजित की गईं। विभागों के बीच मौजूदा समझौता ज्ञापन की समीक्षा और नवीनीकरण करने का निर्णय लिया गया।

iii. 15 अप्रैल 2021 को "पशुपालन क्षेत्र में कार्यक्रमों के एकीकरण और प्रसार" पर कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग के विस्तार और अनुसंधान संगठनों के साथ एक वर्चुअल मंथन सत्र की व्यवस्था की गई थी। इस कार्यक्रम में विभिन्न कृषि और पशुधन क्षेत्र के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने भाग लिया था और सचिव, एएचडी ने सचिव, डीएआरआई/डीजी, आईसीएआर के साथ संबोधित किया।

iv. आज़ादी का अमृत महोत्सव के भाग के रूप में 24 अप्रैल, 2021 को विश्व पशुचिकित्सा दिवस के अवसर पर "वन हेल्थ में पशुचिकित्सकों की भूमिका" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। माननीय मंत्री (एफएएचडी) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और देश के सभी पशुचिकित्सकों को अपना मुख्य भाषण दिया। तकनीकी सत्र का संचालन डॉ. प्रवीण मालिक, पशुपालन आयुक्त और डॉ. सिंदुरा गणपति, फ़ेलो, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। सुश्री मधुर एस. ढींगरा, वरिष्ठ पशु स्वास्थ्य अधिकारी, एफएओ, इटली, डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा, अध्यक्ष, भारतीय पशु चिकित्सा परिषद और डॉ. जोमी जोस, प्रमुख, आरसीसी प्रयोगशाला, हैदराबाद प्रमुख वक्ता थे। वेबिनार की लाइवस्ट्रीमिंग फेसबुक और ट्विटर पेजों के माध्यम से भी की गई थी।

4. **<u>पशुपालन सांखियकीय:</u>**

मूल पशुपालन सांख्यिकीय (बीएएचएस), 2020 के अंग्रेजी संस्करण को माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री द्वारा अनुमोदित किया गया।

5. **<u>अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:</u>**

सचिव, एएचडी की अध्यक्षता में भारतीय प्रतिनिधिमंडल और श्रीमती मिशेल वान एर्केल, कृषि काउन्सलर, नीदरलैंड दूतावास की अध्यक्षता में नीदरलैंड प्रतिनिधिमंडल के बीच दिनांक 13.04.2021 को नई दिल्ली में एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ, वन हेल्थ, एएमआर, घोड़ों/कृतंकों का प्रमाणन, नीदरलैंड से आहार सप्लीमेंट्स और बोवाइन सीमेन का आयात, भारत में डेयरी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना और भारत में मास्टिटिस रोग के खिलाफ लड़ाई में नीदरलैंड की संभावित सहायता विषयों पर द्विपक्षीय सहयोग हेतु विचार-विमर्श किया गया।

6. **<u>बजट:</u>**

वर्ष 2020-21 के लिए, अप्रैल 2021 तक, 3599.98 करोड़ रु. के बजट अनुमान (बीई) के मुक़ाबले, 63.82 करोड़ रु. का व्यय हुआ। अप्रैल, 2021 के माह के दौरान, पशुपालन और डेयरी विभाग का व्यय 63.82 करोड़ रु. था।

7. **<u>सोशल मीडिया गतिविधियां:</u>**

महीने के दौरान, विभाग के ट्विटर पेज पर 41,645 फालोवर्स द्वारा हिट किया गया। सोशल मीडिया गतिविधियों के तहत 252 रचनात्मक पोस्ट किए गए, 1583 पुनः ट्वीट किए गए, 7 वीडियो और जीआईएफ़ बनाए गए। विभाग के फेसबुक पेज पर 1,22,088 फालोवर्स हैं। विभाग का कू एकाउंट भी चालू किया गया है और उस पर 17,379 फालोवर्स हैं।

****